SA-01

June - Examination 2017

B.A. Pt. I Examination

Natak, Katha, Sahitya, Chhand Evam Alankar

नाटक, कथा साहित्य, छन्द एवं अलंकार

Paper - SA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 100**

निर्देश : यह प्रश्नपत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित हैं। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$10 \times 2 = 20$**

(अति लघुत्तरीय प्रश्न) (अनिवार्य)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न का उत्तर एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों तक सीमित हो।

1) (i) भासरचित एक नाटक का नाम बताइए जो रामकथा पर आधारित हो।

(ii) उदयन कहाँ का राजा था?

(iii) वासवदत्ता की माता का क्या नाम था?

(iv) हितोपदेश के रचनाकार का नाम बताइए।

(v) इन्द्रवज्रा छन्द का लक्षण बताइए।

(vi) कथासरित्सागर के लेखक का नाम बताइए।

(vii) सन्देह तथा भ्रान्तिमान अलंकार में अन्तर बताइए।

(viii) आर्या छन्द के प्रथम तथा तृतीय चरण में कितनी मात्राएं होती हैं?

(ix) वासवदत्ता ने पद्मावती की विवाह माला में कौन सी औषधियाँ गूंथी थी?

(x) उदयन किस प्रकार का नायक है?

(खण्ड – ब) $4 \times 10 = 40$

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर अधिकतम 200 शब्द का हो सकता है।

2) किसी एक श्लोक की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) पूर्वं त्वयाप्यभिमतं गतमेवमासी–
च्छलाघ्यं गमिष्यसि पुनर्विजयेन भर्तुः।
कालक्रमेण जगतः परिवर्तमाना
चक्रारपंक्तिरिव गच्छति भाग्यपंक्तिः।

(ii) ऋज्वायतां हि मुखतोरणलोलमालां
भ्रष्टां क्षितौ त्वमवगच्छसि मूर्ख! सर्पम्।
मन्दानिलेन निशि या परिवर्तमाना
किञ्चित् करोति भुजगस्य विचेष्टितानि।

3) उदयन का चरित्र–चित्रण कीजिए।

4) किन्हीं दो सूक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(i) अनिर्ज्ञातानि दैवतान्यवधूयन्ते।

(ii) प्रद्वेषो बहुमानो वा संकल्पादुपजायते।

(iii) अकरूणा: खल्वीश्वरा:।

(iv) क: कं शक्तो रक्षितुं मृत्युकाले।
रज्जुच्छेदे के घटं धारयन्ति।

5) निम्नलिखित छन्दों के लक्षण तथा उदाहरण दीजिए।

(i) शिखरिणी

(ii) हरिणी

6) 'स्वप्नवासवदत्तम्' नाम का अर्थ बताइए तथा यह भी बताएं कि इस नामकरण का क्या कारण है?

7) 'पञ्चतन्त्रम्' का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8) नाटक की उत्पत्ति के उद्देश्य बताइए।

9) किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण तथा उदाहरण बताइए।

(i) उपमा

(ii) यमक

(iii) सन्देह

(iv) उत्प्रेक्षा

(खण्ड – स) **$2 \times 20 = 40$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। उत्तर अधिकतम 500 शब्दों का हो सकता है। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

10) दो पद्यांशों की हिन्दी में सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(i) अजातमृतमूर्खाणां वरमाद्यौ न चाडन्तिम:।
सकृद्दु:खकरावाद्यावन्तिमस्तु पदे–पदे।

(ii) सर्वस्य हि परीक्ष्यन्ते स्वभावा नेतरे गुणाः।
अतीत्य हि गुणान् सर्वान् स्वभावो मूर्ध्नि वर्तते।

(iii) आपदर्थे धनं रक्षेद् दारान् रक्षेद् धनैरपि।
आत्मानं सततं रक्षेद् दारैरपि धनैरपि।

(iv) बालो वा यदि वा वृध्दो युवा वा गृहमागतः।
तस्य पूजा विधातव्या सर्वत्र अभ्यागतो गुरुः।

11) 'स्वप्नवासवदत्तम्' के आधार पर भास का नाटककार के रूप में संस्कृत साहित्य में स्थान निर्धारित करें।

12) भास के रूपकों का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी प्रमुख विशेषताएं बताइए।

13) चित्रग्रीव कबूतर व हिरण्यक चूहे की कथा एवं जरद्गव गिध्द व दीर्घकर्ण बिलाव की कथा का सार लिखिए। इन कहानियों से क्या शिक्षा प्राप्त होती है?